Unit - 1 → C - 10

समावेशी, विशेष एवं समाकलित शिक्षा में अन्तर (Difference in inclusive, Special & Integrated Education)

समावेशी, विशेष शिक्षा एवं समाकलित या एकीकृत शिक्षा भले ही समावेशी बालक-बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित हैं परंतु इनमें पर्याप्त अन्तर देखे जाते हैं जो कि निम्नलिखित हैं :—

समावेशी शिक्षा	विशेष शिक्षा	समाकलित शिक्षा
(1) समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत अक्षम, अपवंचित एवं पिछड़े वर्ग के बालक-बालिकाओं को सम्मिलित करते हुए सभी के लिए शिक्षा प्रदान की जाती है।	(1) विशेष शिक्षा के अन्तर्गत प्रमुख रूप से अक्षमता वाले बालकों को सम्मिलित किया जाता है जो विविध अक्षमता से ग्रसित होते हैं।	(1) समाकलित शिक्षा के अन्तर्गत विविध प्रकार की सांस्कृतिक एवं आर्थिक विविधताओं वाले छात्रों को समन्वित रूप से शिक्षा प्रदान की जाती है।
(2) समावेशी शिक्षा का क्षेत्र व्यापक होता है क्योंकि इसमें सभी प्रकार के बालक-बालिकाओं की शिक्षा की व्यवस्था करने का प्रयास किया जाता है।	(2) विशेष शिक्षा का क्षेत्र सीमित होता है क्योंकि इसमें पूर्ण रूप से विकलांग बालक-बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की जाती है।	(2) समाकलित शिक्षा का क्षेत्र भी सीमित होता है क्योंकि इसमें धार्मिक एवं सांस्कृतिक विविधता वाले छात्रों की शिक्षा व्यवस्था को सम्पन्न किया जाता है।
(3) समावेशी शिक्षा के द्वारा समावेशी समाज की	(3) विशेष शिक्षा के अन्तर्गत विकलांग बालकों	(3) समेकित शिक्षा में छात्र एवं छात्राओं

Scanned with CamScanner

समावेशी शिक्षा की स्थापना का प्रयास किया जाता है जिसमें सभी को समान रूप से सम्मान एवं अधिकारों की प्राप्ति हो सके।	विशेष शिक्षा की विशेष आवश्यकताओं को विद्यालयी व्यवस्था में सम्पन्न करने का प्रयास किया जाता है।	समाकलित शिक्षा की सांस्कृतिक एवं धार्मिक आवश्यकताओं की पुर्ति करने का प्रयास करते हुए संतुलन उत्पन्न किया जाता है।
(4) समावेशी शिक्षा का एक दर्शन होता है जिसमें छात्र एवं छात्राओं के प्रत्येक वर्ग को सन्तुष्ट करने के उपाय किये जाते हैं। इसमें सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय की भावना पर कार्य किया जाता है।	(4) विशेष शिक्षा का सम्बन्ध विकलांग छात्र-छात्राओं की शिक्षा व्यवस्था एवं उनको व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने तक सीमित होता है जिससे उनको आत्मनिर्भर बनाया जा सके।	(4) समेकित शिक्षा में सांस्कृतिक एवं सर्वप्रथम समभाव की शिक्षा प्रदान की जाती है जो कि नैतिकता एवं मानवता के सिद्धान्तों पर आधारित होती है।
(5) समावेशी शिक्षा के माध्यम से अपवंचित, अक्षम एवं पिछड़े वर्ग के बालक-बालिकाओं को शैक्षिक, सामाजिक, अर्थिक एवं व्यावसायिक पुनर्वास प्रदान करने की व्यवस्था की जाती है।	(5) विशेष शिक्षा के माध्यम से केवल विकलांग छात्रों के लिये शैक्षिक एवं व्यावसायिक पुनर्वास प्रदान करने की व्यवस्था की जाती है।	(5) समेकित शिक्षा के माध्यम से सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को सांस्कृतिक एवं धार्मिक पुनर्वास प्रदान किया जाता है।

Scanned with CamScanner

समावेशी शिक्षा	विशेष शिक्षा	समाकलित शिक्षा
(6) समावेशी शिक्षा का प्रमुख भाग विविधता से संबंधित है। यह विविधता शिक्षण अधिगम प्रक्रिया से संबंधित होती है। इस विविधता में भी मानवीय विकास की सम्भावना खोजी जाती है।	(6) विशेष शिक्षा का प्रमुख भाग विकलांगता अर्थात् विविधता है। इसमें विकलांगों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप शिक्षा उपलब्ध करायी जाती है।	(6) समेकित शिक्षा में सांस्कृतिक एवं धार्मिक विविधता के द्वारा जो विसंगतियाँ हैं उनको समाप्त करने का प्रयास करते हुए सामंजस्य स्थापित किया जाता है।
(7) समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत सभी छात्रों के सामाजिक, शैक्षिक एवं राजनीतिक अधिकारों की चर्चा की जाती है तथा उनको उपलब्ध कराने की बात कही जाती है।	(7) विशेष शिक्षा के अन्तर्गत केवल विकलांग या अक्षम छात्रों के शैक्षिक एवं व्यावसायिक अधिकारों के बारे में चर्चा की जाती है।	(7) समेकित शिक्षा के अन्तर्गत सांस्कृतिक परम्पराओं एवं धार्मिक परम्पराओं के श्रेष्ठ स्वरूप एवं उनके विकास की चर्चा व्यापक रूप से की जाती है।
(8) समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत अभिभावकों तथा अनेक प्रकार की स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया	(8) विशेष शिक्षा के अन्तर्गत विकलांगों छात्रों को व्यक्तिगत सहायता देकर उनकी शैक्षिक एवं	(8) समेकित शिक्षा के अन्तर्गत सांस्कृतिक एवं धार्मिक विश्वास संबंधी विविध आवश्यकताओं

Scanned with CamScanner

समावेशी शिक्षा	विशेष शिक्षा	समेकित शिक्षा
जाता है। इससे उनकी शैक्षिक एवं अशैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।	व्यवसायिक आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।	की पूर्ति हेतु प्रयास किया जाता है।
(9) समावेशी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य इस तथ्य पर निर्भर करता है कि अधिक से अधिक बालक एवं बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन हो जिससे सभी की शिक्षा में सहभागिता निश्चित हो।	(9) विशेष शिक्षा का उद्देश्य विकलांग छात्रों के लिये उनकी समस्याओं का समाधान करते हुए उनको विकास की मुख्य धारा से सम्बद्ध करना है।	(9) समेकित शिक्षा में सभी छात्र छात्राओं को उनकी सांस्कृतिक एवं धार्मिक विसंगतियों से दूर करते हुए वैदिक संस्कृति एवं धर्म की ओर अग्रसर किया जाता है।
(10) समावेशी शिक्षा में शिक्षा एवं विकास की अवसरों की समानता का दृष्टिकोण सभी प्रकार के छात्रों के लिये निर्धारित किया जाता है जिससे कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे।	(10) विशेष शिक्षा में केवल विकलांग छात्रों की अक्षमताओं को आधार बनाकर उनके शैक्षिक एवं व्यावसायिक विकास के लिए योजना तैयार की जाती है।	(10) समेकित शिक्षा के अन्तर्गत समाज में व्याप्त कुरीतियों, सांस्कृतिक रूढ़ियों एवं धार्मिक रूढ़ियों को दूर करके समेकित विकास की अवधारणा प्रस्तुत की जाती है।

He who laughs last, laughs longest. ❖

Scanned with CamScanner

समावेशी शिक्षा	विशेष शिक्षा	समेकित शिक्षा
(ii) समावेशी शिक्षा में अन्तर्गत छात्रों को सहयोगी अधिगम के लिए प्रेरित किया जाता है तथा उन संस्थाओं से सम्बन्ध रखने के लिए कहा जाता है जो कि विकलांग, पिछड़े एवं अपवंचित छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में तथा उनके विकास में रुचि रखती है।	(ii) विशेष शिक्षा के अन्तर्गत विद्यालयी व्यवस्था द्वारा विकलांग छात्रों की आवश्यकताओं को समझते हुए उनकी पूर्ति हेतु प्रयास किया जाता है। इसके लिए विद्यालय स्तर पर विविध तकनीकियों का सहारा लिया जाता है।	(ii) समेकित शिक्षा में बालक एवं बड़े व्यक्तियों को सम्मिलित करके वैश्विक संस्कृति के विकास के साथ-साथ सर्व-धर्म समभाव एवं धर्म निरपेक्षता की स्थिति उत्पन्न करने का प्रयास किया जाता है।

अतः उपरोक्त कथनों यह स्पष्ट होता है कि समावेशी शिक्षा विशेष या विशिष्ट शिक्षा तथा एकीकृत शिक्षा या समेकित शिक्षा या समाकलित शिक्षा में कुछ विशेष अंतर है जो की हमारी जानकारी के लिए बहुत ही आवश्यक है।

Scanned with CamScanner

निसंस्थाकरण (De-Institutionalization)

भूमिका :- निसंस्थाकरण की व्यवस्था समावेशी बालकों के संदर्भ में उन बालकों के लिये प्रस्तुत की गई है जो अनाथ हैं या मानसिक रूप से असामान्य है। जिन बालकों के पास अपना घर नहीं होता या मानसिक समस्याओं के कारण वह घर तथा विद्यालय में समायोजित नहीं होता या मानसिक समस्याओं के कारण वह घर तथा विद्यालय में समायोजित नहीं हो पाते उनके लिये निसंस्थाकरण व्यवस्था बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है क्योंकि इस व्यवस्था के अन्तर्गत अनाथालय, मानसिक चिकित्सालय और अन्य बाल संस्थानों में बालकों की देखरेख, चिकित्सा और शिक्षा व्यवस्था का प्रबन्ध किया जाता है। इस व्यवस्था को अमेरिका में अत्यधिक मान्यता प्राप्त हुई है। वहाँ इसके लिये अनेक संस्थान भी बनाये गये हैं। भारत में भी इस व्यवस्था का व्यापक स्थान देखने को मिलता है। मानसिक चिकित्सालय, अनाथालय, बालबाड़ी और आँगनबाड़ी केन्द्र इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

आवासीय विद्यालयों का बच्चों के समग्र विकास में योगदान (Contribution of Residential School in whole Development of child)

Scanned with CamScanner